Roll No : .....

Total No. of Questions : **12**] [Total No. of Printed Pages : **4**

A–225

B.A. (Part–III) DUE Part–II Examination, 2021

HINDI LITERATURE

Paper - II

(नाटक एवं एकांकी)

Time : 1½ Hours] [*Maximum Marks : **100***

Section–A **(Marks : 2 × 10 = 20)**

Note :– Answer all *ten* questions (Answer limit **50** words). Each question carries **2** marks.

(खण्ड–अ) **(अंक : 2 × 10 = 20)**

नोट :– सभी **दस** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **50** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **2** अंक का है।

Section–B **(Marks : 8 × 5 = 40)**

Note :– Answer any *five* questions out of seven (Answer limit **200** words). Each question carries **8** marks.

(खण्ड–ब) **(अंक : 8 × 5 = 40)**

नोट :– सात में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **200** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **8** अंक का है।

Section–C **(Marks : 20 × 2 = 40)**

Note :– Answer any *two* questions out of four (Answer limit **500** words). Each question carries **20** marks.

(खण्ड–स) **(अंक : 20 × 2 = 40)**

नोट :– चार में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **500** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **20** अंक का है।

Section–A

(खण्ड–अ) प्रत्येक 2

1. सभी **दस** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **50** शब्द) :

(i) 'अंधेर नगरी' नाटक का उद्देश्य क्या है ?

(ii) सिपाही 'गोबर्धन दास' को फाँसी क्यों देना चाहते थे ?

(iii) ''स्त्री जैसे कोई धन सम्पदा है जिसे कोई भी बलपूर्वक जीत सकता है।'' अम्बिका ने यह कथन किस सन्दर्भ में कहा ?

(iv) शुभा के अनुसार वह कौनसा उपाय था जिससे उत्तराधिकार का विवाद और महाभारत का युद्ध होता ही नहीं ?

(v) ''साहब को जुकाम है'' एकांकी की मुख्य समस्या क्या है ?

(vi) 'मकड़ी का जाला' एकांकी के मुख्य पात्र भोलानाथ की आत्म स्वीकृति क्या थी ?

(vii) 'ताम्बे के कीड़े' एकांकी की कथावस्तु का आधार क्या है ?

(viii) 'कैक्टस और कमल' एकांकी में किस त्रासदी का चित्रण है ?

(ix) समस्या नाटक की परिभाषा लिखिए।

(x) नाटक में 'अभिनेयता' तत्व को स्पष्ट कीजिए।

Section–B

(खण्ड–ब) प्रत्येक 8

2. ''तो बच्चा, ऐसी नगरी में रहना उचित नहीं है, जहाँ टके सेर भाजी और टके सेर खाजा बिकता है। मैं तो इस नगर में अब एक क्षण भी नहीं रहूँगा। देख, मेरी बात मान, नहीं तो पीछे पछताएगा। मैं तो जाता हूँ, पर इतना कहे जाता हूँ कि कभी संकट पड़े तो याद करना।

3. तुम सौभाग्यशाली हो कुन्ती कि तुम्हें यह स्वतन्त्रता मिली। इसलिए तुम्हारा हर पुत्र अपने में पूर्ण है। लेकिन कितनी स्त्रियों को मिलता है यह सौभाग्य ? अनचाहा समर्पण कितना पीड़ादायक है, यह कौन जानता है ? बीज में ही पीड़ा हो तो फल सुखद कैसे होगा ? पारिवारिक तनाव, सामाजिक संघर्ष सब इसी के परिणाम हैं अधिकांशत:।

4. मर्यादा को ही तो स्पष्ट कर लेना चाहती हूँ। आप तो धर्मज्ञ हैं। महामुनि, व्यास ऋषि पाराशर के पुत्र होने के नाते द्विज है तो विदुर भी महामुनि का पुत्र होने के कारण द्विज है। विदुर दासीपुत्र होने के नाते शूद्र है तो महामुनि व्यास भी शूद्र हैं क्योंकि ..... उनकी माता निषाद कन्या थीं, शूद्र थीं।

5. जीवन! कितना बड़ा जीवन! दुख-दर्द से भरा हुआ। पढ़ने की चिंता, कमाने की चिन्ता, स्त्री की चिन्ता, प्रेम की चिन्ता ..... (चौंककर) ओह, मैं कहाँ की बात ले बैठा। हाँ, मैं आपको मकान भिजवा दूँ।

6. मेरा मतलब है कि आबादी बढ़ जाने से शहर बी ग्रेड से ए ग्रेड हो जाते हैं, लेकिन जहाँ तक हम लोगों का ताल्लुक है ..... कहना चाहिए कि लो ग्रेड वर्कर्ज की जिन्दगी लो ग्रेड से लोअर ग्रेड होती जाती है, इसलिए हमारे लिए जरूरी है कि ..... और हमें सिर्फ प्रस्ताव ही पास नहीं करना, उसके लिए, उसे मनवाने के लिए पूरी कोशिश भी करनी है, एक डेढ़ साल के अन्दर ..... जैसे इतनी कॉलोनीज हैं, उसी तरह एक निम्न स्तर गृह निर्माण योजना के अन्तर्गत .....।

7. तुम्हारी दुनिया करती होगी ! लेकिन मैं वैसी असत्य दुनिया में नहीं रहती ..... जो बाहर-भीतर दो टुकड़ों में बँटी हो। बाहर कुछ। भीतर कुछ। जहाँ कुछ विष जैसा घुटा-घुटा हो। जहाँ बुजदिल बसते हों। जहाँ।

8. तो मुझे यहाँ घसीटकर ले आये हैं मेरे मुनाफे के दुश्मन। मैंने तुझे इसीलिए सात तहखानों के अन्दर कितना सहेजकर रखा था कि इन भूखे भिखमंगों की नजर तुझ पर न पड़े। इस तरह तू रोज-रोज दरवाजे से निकलता रहा तो कीमतें गिर जायेंगी कि मैं तो बरबाद हो जाऊँगा। तेरी सेवा के लिए दर्जनों चौकीदार रखे थे और तू है कि .....

Section–C

(खण्ड–स) प्रत्येक 20

चार में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **500** शब्द) :

9. 'हस्तिनापुर' नाटक की कथावस्तु की समीक्षा कीजिए।

10. 'अदृश्य व्यक्ति की आत्महत्या' एकांकी कथ्य एवं शिल्प की दृष्टि से नवीन प्रयोग है। स्पष्ट कीजिए।

11. 'समरथ को नहीं दोष गुसाईं' एकांकी का कथासार व उद्देश्य स्पष्ट कीजिए।

12. भारतेन्दुयुगीन नाटकों का परिचय देते हुए उनकी विशेषताएँ बताइए।